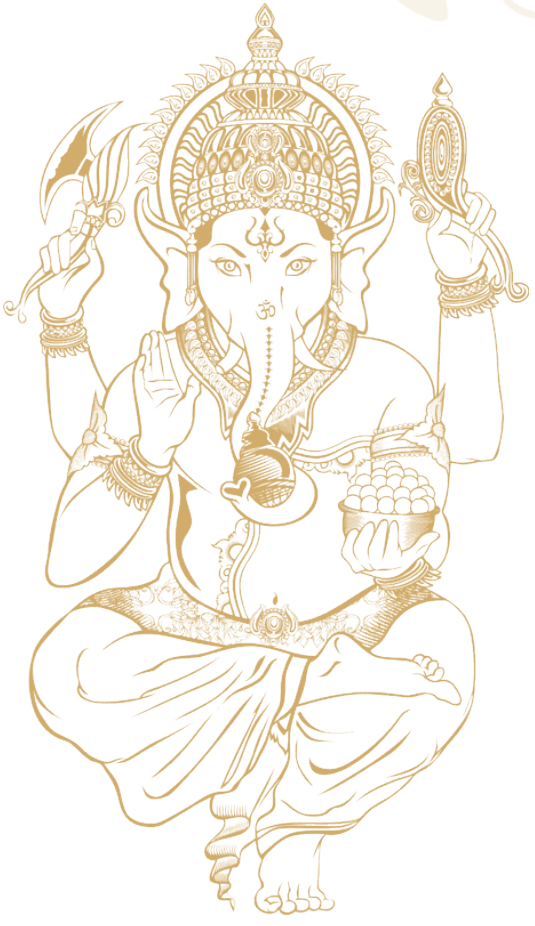

Komalpreet kaur

05 Dec 2005

05:00 AM

Naushahra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121373707

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**4-05/12/2005**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**05:00:00 घंटे**
इष्ट	54:07:42 घटी
स्थान	**Naushahra**
देश	India

अक्षांश	33:09:00 उत्तर
रेखांश	74:14:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:33:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:26:56 घंटे
वेलान्तर	00:09:48 घंटे
साम्पातिक काल	09:22:26 घंटे
सूर्योदय	07:20:55 घंटे
सूर्यास्त	17:25:39 घंटे
दिनमान	10:04:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	18:59:11 वृश्चिक
लग्न के अंश	18:36:16 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वृद्धि
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जा-जयन्ती
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	18:36:16	299:04:25	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
सूर्य			वृश्चि	18:59:11	01:00:54	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	मित्र राशि
चंद्र			मक	03:35:28	14:27:41	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	सम राशि
मंगल	व		मेष	14:28:46	00:04:16	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	स्वराशि
बुध			वृश्चि	00:51:57	00:08:59	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	सम राशि
गुरु			तुला	14:27:57	00:11:52	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			मक	00:56:00	00:36:56	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	मित्र राशि
शनि	व		कर्क	17:13:24	00:01:25	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	17:36:28	00:07:29	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	सम राशि
केतु	व		कन्या	17:36:28	00:07:29	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	13:03:27	00:00:58	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	---
नेप			मक	21:18:16	00:01:17	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	29:56:44	00:02:13	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			कर्क	24:13:46	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:20

लग्न-चलित

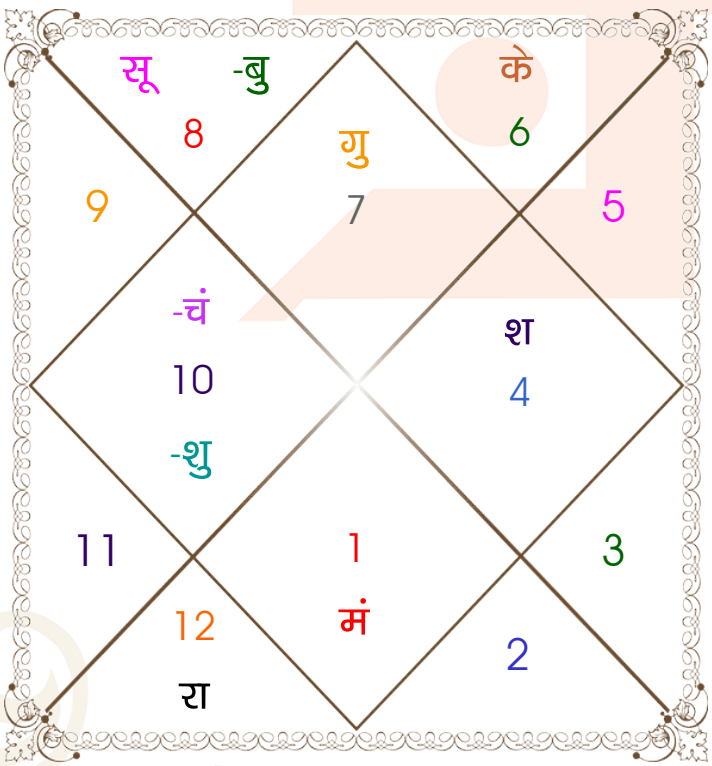

चन्द्र कुंडली

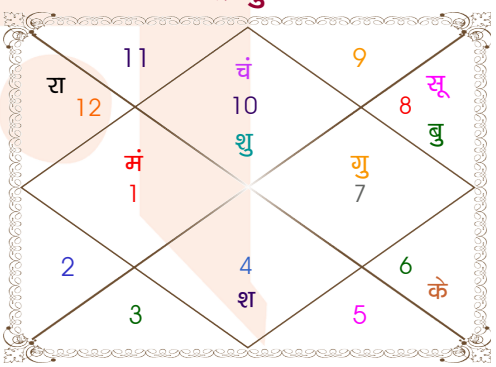

नवमांश कुंडली

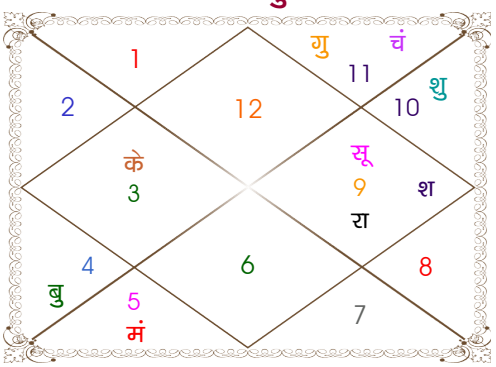

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 10 मास 18 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
05/12/2005		23/10/2008		24/10/2018		23/10/2025		24/10/2043	
23/10/2008		24/10/2018		23/10/2025		24/10/2043		24/10/2059	
	00/00/0000	चंद्र	23/08/2009	मंगल	22/03/2019	राहु	06/07/2028	गुरु	11/12/2045
	00/00/0000	मंगल	25/03/2010	राहु	08/04/2020	गुरु	29/11/2030	शनि	23/06/2048
	00/00/0000	राहु	23/09/2011	गुरु	15/03/2021	शनि	05/10/2033	बुध	29/09/2050
	00/00/0000	गुरु	22/01/2013	शनि	24/04/2022	बुध	23/04/2036	केतु	05/09/2051
	05/12/2005	शनि	24/08/2014	बुध	21/04/2023	केतु	12/05/2037	शुक्र	06/05/2054
शनि	12/08/2006	बुध	23/01/2016	केतु	17/09/2023	शुक्र	12/05/2040	सूर्य	22/02/2055
बुध	18/06/2007	केतु	23/08/2016	शुक्र	16/11/2024	सूर्य	05/04/2041	चंद्र	23/06/2056
केतु	24/10/2007	शुक्र	24/04/2018	सूर्य	24/03/2025	चंद्र	05/10/2042	मंगल	30/05/2057
शुक्र	23/10/2008	सूर्य	24/10/2018	चंद्र	23/10/2025	मंगल	24/10/2043	राहु	24/10/2059

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
24/10/2059		24/10/2078		24/10/2095		25/10/2102		25/10/2122	
24/10/2078		24/10/2095		25/10/2102		25/10/2122		00/00/0000	
शनि	27/10/2062	बुध	21/03/2081	केतु	21/03/2096	शुक्र	23/02/2106	सूर्य	11/02/2123
बुध	06/07/2065	केतु	18/03/2082	शुक्र	21/05/2097	सूर्य	23/02/2107	चंद्र	13/08/2123
केतु	15/08/2066	शुक्र	16/01/2085	सूर्य	26/09/2097	चंद्र	24/10/2108	मंगल	19/12/2123
शुक्र	14/10/2069	सूर्य	23/11/2085	चंद्र	27/04/2098	मंगल	24/12/2109	राहु	11/11/2124
सूर्य	26/09/2070	चंद्र	24/04/2087	मंगल	23/09/2098	राहु	24/12/2112	गुरु	31/08/2125
चंद्र	27/04/2072	मंगल	20/04/2088	राहु	12/10/2099	गुरु	25/08/2115	शनि	06/12/2125
मंगल	05/06/2073	राहु	08/11/2090	गुरु	18/09/2100	शनि	25/10/2118		00/00/0000
राहु	11/04/2076	गुरु	13/02/2093	शनि	27/10/2101	बुध	24/08/2121		00/00/0000
गुरु	24/10/2078	शनि	24/10/2095	बुध	25/10/2102	केतु	25/10/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 10 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाली होंगी। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाली होंगी।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगी तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगी तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगी। आप अपनी फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगी तो अनुकूल रहेंगी। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना की प्राणी होंगी। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगी। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगी। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान की माता होंगी। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपको अपने जीवन संगी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पति प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि के जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपके पति कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय के हुए तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगे।

परंतु यदि आपके साथी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपने पति से विद्वेष नहीं करेंगी।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपके पति बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देंगे। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगी। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगी।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगी। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकती हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके

अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।